



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 75]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 8, 1991/माघ 19, 1912

No. 75]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 8, 1991/MAGHA 19, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

पर्यावरण और वन मंत्रालय

(पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1991

का. प्रा. 80(प्र) :—निम्नलिखित प्रारूप अधिसूचना जिसे केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (V) और पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाने का प्रस्ताव करती है, उक्त नियमों के नियम 5 के उपनियम (3) के खंड (ग) की धाराओं के अन्तर्गत ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और यह सूचना भी दी जाती है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर उस तारीख से जिसको यह राजपत्र जिसमें इस अधिसूचना (का प्रकाशन) अन्तर्निहित है, जनता को उपलब्ध करा दिया जाता है, साठ दिन की समाप्ति के पश्चात् केन्द्रीय सरकार विचार करेगी;

2. ऐसा कोई व्यक्ति जो किसी निर्बंधन को अधिरोपित किए जाने के विरुद्ध कोई आपेक्ष फाइल करने में हितबद्ध है, वह पैरा 1 में विनिश्चित उक्त साठ दिन की अवधि के भीतर सचिव, पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग, पर्यावरण भवन, सी जी रो कम्प्लेक्स, नई दिल्ली-110003 को लिखित रूप में ऐसा कर सकेगा।

प्राण्य अधिसूचना

केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महाराष्ट्र सरकार के परामर्श से, परिस्थिति विज्ञान रूप से प्रति संवेदनशील बहानु ताल्लुका को संरक्षित करने की आवश्यकता पर विचार करने के पश्चात् और यह सुनिश्चित करने के लिए कि विकास के क्रियाकलाप पर्यावरण संबंधी संरक्षा और संरक्षण के सिद्धांतों से संगत है, बहानु ताल्लुका, जिला थाने (महाराष्ट्र) को परिस्थिति विज्ञान रूप से क्रोमल क्षेत्र के रूप में घोषित करने की और ऐसे उद्योगों की जिनका पर्यावरण पर हानिकर प्रभाव पड़ता है, स्थापना पर निर्बंधन अधिरोपित करने की प्रस्तापना करती है।

उद्योगों और औद्योगिक एककों का अवस्थान या स्थल उपाबंध में दिए गए मार्गदर्शन के अनुरूप होगा।

तथापि, ऐसी औद्योगिक परियोजनाओं पर जो इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख के पूर्व उक्त ताल्लुका में पहले से ही अनुमोदित या विद्यमान हैं, इस अधिसूचना से प्रभाव नहीं पड़ेगा।

महाराष्ट्र सरकार दहानू ताल्लुका के विद्यमान भूमि उपयोग पर आधारित ताल्लुका के लिए एक मास्टर प्लान या क्षेत्रीय प्लान तैयार करेगी। यह मास्टर प्लान या क्षेत्रीय प्लान स्पष्ट रूप से सभी विद्यमान हरेत क्षेत्रों, फलोद्यानों, जनजातीय क्षेत्रों और अन्य परिस्थिति विज्ञान रूप से प्रतिस्वेदनशील क्षेत्रों का सीमांकन करेगी। ताल्लुका के लिए मास्टर प्लान या क्षेत्रीय प्लान में ऐसे क्षेत्रों के लिए भूमि उपयोग के किसी भी परिवर्तन को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। अनुज्ञेय उद्योगों के अवस्थान के लिए दहानू ताल्लुका के भीतर कुल क्षेत्र अधिकतम 1000 एकड़ तक निर्बन्धित होगा। औद्योगिक एकक ऐसे स्थलों पर अवस्थित होंगे जो पर्यावरण को दृष्टि से प्रतिप्राह्य हों और जिनसे कम से कम पर्यावरण का अवक्रमण होता हो।

[सं. जे.-13011/24/87-आई ए]

भार. राजामणि, सचिव

#### अनुबन्ध

महाराष्ट्र के बाणेश्वर जिले के दहानूताल्लुका में उद्योगों तथा औद्योगिक इकाइयों को अनुमति देने/प्रतिबन्ध लगाने के लिए विद्या-निर्देश

पर्यावरण और पारिस्थितिकीय आधार पर दहानू ताल्लुका में इस प्रकार की औद्योगिक गतिविधियों की अनुमति देने/उन पर प्रतिबन्ध लगाने के लिए उद्योगों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जायेगा, अर्थात्—  
हरी, नारंगी और लाल। यदि इसमें संदेह हो कि कोई उद्योग किस श्रेणी में आता है, इस बारे में पर्यावरण और वन मंत्रालय को लिया जायेगा और ऐसे उद्योग को तब तक अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उसे मंजूरी नहीं दे दी जाती

#### हरी श्रेणी

पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना अनुमोदित औद्योगिक क्षेत्रों में मंजूरी/नामंजूरी के लिए महाराष्ट्र सरकार की एजेंसियों द्वारा जिन उद्योगों पर विचार किया जा सकता है, उनकी सूची (बगल में कि निम्नलिखित शर्तें पूरी हों)।

1. केवल गैर-हानिकर और गैर-परिसंकटमय उद्योगों को मंजूरी दी जाएगी (हानिकर और परिसंकटमय उद्योगों में ज्वलनशील, विस्फोटक, क्षयकारी या विषाक्त पदार्थों का इस्तेमाल करने वाले उद्योग आते हैं)।

2. प्रदूषित औद्योगिक बहिष्कारों का विसर्जन न करने वाले उद्योगों की ही मंजूरी दी जाएगी।

टिप्पणी:—निम्नलिखित कार्यों या कार्य को करने वाले उद्योगों को प्रदूषित औद्योगिक बहिष्कारों का विसर्जन करने वाले उद्योग माना जायेगा, अर्थात्:—

एलोकट्रोप्लेटिंग

मालवेनाइजिंग

स्वीचिंग

डिस्ट्रिब्यूटिंग

फास्फेटिंग

रंगाई

फिकसिंग

चर्मशोधन

पॉलिथिन

रेशों को पकाना

खालों की डाइजस्टिंग

बत्तों की डिजाइनिंग

लोम हटाना, सुखाना, डिस्ट्रिब्यूटिंग

तथा बत्तों की धुलाई

एल्कोहल का आसवन, स्टिलेज वाष्पन

पशुधों का बध, हड्डियां प्राप्त करना, मांस की धुलाई

गन्ने का रस निकालना, फिल्टर करना, अपकेन्द्रण

चीनी तैयार करने के लिए आसवन,

एम बी संयंत्रों में बैकवाश फिल्टरिंग

लुगदी बनाना, लुगदी प्रसंस्करण और कागज बनाना

कोयला पकाना

आक्साइडों की स्ट्रिपिंग

हाइड्रोलिक विसर्जन के जरिए प्रयुक्त रेत की धुलाई

लेटेक्स की धुलाई

विलायक निकालना

3. अपनी निर्माण प्रक्रिया में कोयले का प्रयोग करने वाले उद्योगों को ही मंजूरी दी जायेगी।

4. केवल उन्हीं उद्योगों को मंजूरी दी जाएगी, जो बिक्री के प्रकार की प्रत्याई उत्सर्जनों का विसर्जन नहीं करते।

टिप्पणी:—

1. उपर्युक्त शर्तों को पूरा करने पर आवश्यक पर गैर-हानिकर, गैर-परिसंकटमय और गैर-प्रदूषक श्रेणी में आने वाले कुछ उद्योग निम्नलिखित हैं:—

बाबल मिलें, ढाल मिलें, धनाज मिलें (घाटा उत्पादन के लिए)

सुपारी उत्पादन और मसाला पिसाई

मूंगफली के छिलके निकालना (गुल्क)

सुतशीतल संयंत्र और शीत भंडार

बर्फ बनाना

मांस का परिरक्षण, कैनिंग, मछली, अस्टेसिपम और इसी तरह के खाद्यों का परिरक्षण तथा प्रसंस्करण

दुध और मक्खन, घी आदि जैसे डेरी उत्पादों का निर्माण

दुक बाईडिंग

उत्कीर्णन, निधारण, छ्वाफ बनाना

पत्थर की वस्तुओं का निर्माण, पत्थरों पर डिजाइन बनाना और उन पर पालिश करना (पत्थर पिसाई/पत्थर उत्खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी) प्रिल, गेट, दरवाजे और खिड़की फ्रेम, पानी के टैंक, तार के जाल आदि जैसे धातु निर्माण अवयवों का निर्माण (कोयले के प्रयोग की अनुमति नहीं दी जाएगी)

ओजारों को पैमा करने से संबंधित कार्य

विद्युत उपकरणों की मरम्मत

खींचने वाली रेहड़ियों, हाथ की रेहड़ियों, बैलगाड़ियों आदि का निर्माण जेवर और उनसे संबंधित वस्तुओं का निर्माण (बिजली का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा)

गड़ियों, बीवार गड़ियों, जेवरों की मरम्मत बीड़ी निर्माण

हथकरघे/पावर से चलने वाले करघे, बगल में कि करघों की अधिकतम संख्या आर हो।

कड़ाई और लेस तथा धारिया बनाना।

परदे, मच्छरबानियां, षटाह्यां, चादरें, तकिये के तिलाफ, बैग आदि जैसा कपड़े का सामान बनाना।

बने-बनाए कपड़े तथा परिधान बनाना (ड्राई-प्रोसेसिंग)।

सूती और ऊनी होजरी (ड्राई प्रोसेसिंग)

हथकरघे से बुनाई।

चमड़े के जूतों तथा चमड़े के सामान का निर्माण।

(टैनिंग तथा हाइड प्रोसेसिंग के अतिरिक्त)

जूते की फाँते बनाना।

शीशों तथा फोटो-फ्रेमों का निर्माण।

वाद्य-उपकरणों का निर्माण।

खेल-कूद के सामान का निर्माण।

बांस तथा बेंत के सामान का निर्माण (केवल ड्राई-प्रोसेसिंग)

काई-बोर्ड और धाराज का सामान बनाना (कागज तथा लुगदी के सामान के अतिरिक्त)

पृथक्करण तथा अन्य कोटेज गेजर (कागज तथा लुगदी के सामान के अतिरिक्त)।

वैज्ञानिक और गणितीय उपकरणों का निर्माण।

फर्नीचर का निर्माण (केवल लकड़ी का)

घरेलू बिजली तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का सज्जीकरण।

लिखने के सामान का निर्माण (पेन, पेसिल आदि)

पोलोमीन, प्लास्टिक तथा पी.वी.सी. की चीजों की एक्स्ट्रूजन (मॉल्डिंग) शाल्य जाली तथा पट्टियों का निर्माण।

कंक्रीट की रेलवे स्लापरों का निर्माण।

सूती कपड़े की कलाई और बुनाई (केवल ड्राई-प्रोसेसिंग)

रस्सियों का निर्माण (सूत, बूट प्लास्टिक)

कार्बोन बुनाई।

तारों और पाइपों का निर्माण (नॉन-एस्सेर्टोस)

एक्स्ट्रूजन आफ मेटल।

बिजली तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का सज्जीकरण।

काँचर इंडस्ट्रीज।

खिलाने

मोमबस्तियां और अगरबस्तियां।

बाँयल-गिनिय और एक्सेपलिय (कोई हाइड्रोजनशन तथा परिष्करण नहीं) आइस-क्रिम बनाना।

खनिज-जल बनाना।

टुंकों और सूटकेसों का निर्माण।

स्टेशनरी की मर्चों का निर्माण। (कागज और स्पाही के अतिरिक्त) प्राय्टिकल क्रैमों का निर्माण।

इस सूची में उद्योगों को सुविधा के लिए शामिल किया गया है और यदि किसी मामले में वे उपर्युक्त श्रेणी में नहीं आते तो उन्हें नारंगी तथा लाल श्रेणियों में रखा जाएगा।

नारंगी श्रेणी :

उन उद्योगों की सूची, जिन्हें पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा अनु-मोदित उपर्युक्त पर्यावरणीय मूल्यांकन और पर्याप्त प्रदूषण नियंत्रण उपायों के साथ दहानू तालुका में चलाने की अनुमति दी जा सकती है।

मूलिका--शिल्प (सेरेमिक्स)

सफाई के यंत्र

आटा चक्काया

तेलों से बिलायक प्रथम निकालने समेत ब्यस्पति घा

साबुन (वाष्प सञ्चय प्रक्रिया के बिना)

मिथेटिक डिटरजेंट बनाना (नॉन-फ.स्केटिक)

वाष्प पैदा करने वाले संयंत्र (कोयला/काँक के बिना)

कार्यालय और घरेलू फर्नीचर तथा उपकरणों का निर्माण।

मशीनरी तथा मशीन मीजारी और उपकरणों का निर्माण।

प्रोयोगिक गैसों का निर्माण (केवल नाइट्रोजन, आर्गन, कार्बन डाई आक्साइड)

कोयला/काँक के भलावा ईंधन का इस्तेमाल करने वाले

ग्लाइथर

प्राय्टिकल ग्लास

प्रयोगशाला का सामान

प्रोफेलेक्टिक और लैटेक्स उत्पादों को छोड़कर

सर्जिकल और मेडिकल उत्पाद

रबर के जूते

बेकरी उत्पाद, बिस्कुट और कॉफ़ेशनरी

इंस्टेंट चाय/काँक

माल्ट खाद्य

पंपों कंप्रेसरों, प्रशीतन, यूनितों, अग्नि उपशमन उपकरणों आदि का निर्माण।

वायर ड्राइंग (शीत प्रक्रिया), वायर नेल्स, बालिंग स्ट्रेप्स,

स्टील फर्नीचर

चिकित्सा और शल्य चिकित्सा उपकरण

सुगंध, मुरस और भोज्य संयोजी

कार्बनिक पौधा पोषक

बासित जल/साफ्ट ड्रिंक

उपरोक्त श्रेणी में आने वाले 3 करोड़ रुपये से अधिक परिव्यय वाले उद्योगों को भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के विचारार्थ भेजा जाएगा।

लाल श्रेणी

उन उद्योगों की सूची, जिनको दहानू तालुका में चलाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है :--

इन श्रेणी में आने वाले उद्योगों को श्रेणी में निम्नलिखित शामिल हैं :--  
हवाई खानों और मिश्रधातु बनाने की प्रक्रिया में शामिल धातु विज्ञानी उद्योग कोयला और अन्य खनिज प्रसंस्करण उद्योग

सीमेंट संयंत्र

कोयला/काँक के उपयोग पर आधारित उद्योग

एस्वेस्टॉस

R. RAJAMANI, Secy.

## ANNEXURE

GUIDELINES FOR PERMITTING|RESTRICTING  
INDUSTRIES AND INDUSTRIAL UNITS IN THE  
DAHANU TALUKA, THANE DISTRICT IN  
MAHARASHTRA

Industries will be classified under three categories, viz. Green, Orange and Red as shown below for purposes of permitting|restricting such industrial activities in Dahanu Taluka on the basis of environmental and ecological considerations. In case of doubt as to the category in which the industry falls, a reference shall be made to the Ministry of Environment & Forests, Government of India, and such industry will not be permitted until cleared by the Ministry of Environment & Forests, Government of India.

## GREEN CATEGORY

List of industries that can be considered by the Maharashtra Government agencies for approval|rejection in approved industrial areas without prior approval of the Ministry of Environment & Forests, Government of India (provided that all the following conditions are satisfied) :

1. Only those industries that are non-obnoxious and non-hazardous will be permitted. (Obnoxious and hazardous industries include those using inflammable, explosive, corrosive or toxic substances).

2. Only those industries that do not discharge industrial effluents of a polluting nature will be permitted.

Note :—Industries that undertake any of the following processes or process of similar nature shall be regarded as industries that discharge industrial effluents of a polluting nature, namely :—

Electroplating.  
Galvanizing.  
Bleaching.  
Degreasing.  
Phosphating.  
Dyeing.  
Pickling.  
Tanning.  
Polishing.  
Cooking of fibres.  
Digesting of hides.  
Desizing of fabrics.  
Removal of hair, soaking, deliming and washing of fabric.  
Distillation of alcohol, Stillage evaporation.  
Slaughtering of animals, rendering of bones, washing of meat.  
Crushing of sugarcane, filtration, centrifugation, distillation for extraction of sugar.

Filtering backash in D.M. Plants.

Pulp making, pulp processing and paper making.

Coking of coal.

Stripping of oxides.

Washing of used sand by hydraulic discharge.

Washing of latex.

Solvent extraction.

3. Only those industries that do not use coal in their manufacturing process will be permitted.

4. Only those industries that do not emit fugitive emissions of a diffused nature will be permitted.

Note :—

1. Some of the industries that ordinarily fall in the non-obnoxious, non-hazardous and non-polluting category, subject to fulfilment of the above conditions are :—

Rice Mills, Dal Mills, Grain Mills (for production of flour).

Manufacture of supari and masala grinding.

Groundnut decorticating (dy).

Chilling Plants and cold storages.

Ice making.

Preservation of Meat, canning, preserving and processing of fish, crustaceous and similar foods.

Manufacture of milk and dairy products such as butter, ghee, etc.

Book binding.

Engraving, etching, blockmaking.

Manufacture of structural stone goods, stone dressing and polishing (stone crushing|stone quarrying will not be permitted).

Manufacture of metal building components such as grills, gates, doors and window frames, water tanks, wire nets, etc. (use of coal not permitted).

Tool sharpening works.

Repairs of electrical appliances.

Manufacture of push carts, hand carts, bullock carts, etc.

Manufacture of jewellery and related articles (no power to be used).

Repairs of watches, clocks, jewellery.

Manufacture of bidis.

Handlooms|Powerlooms, subject to a maximum of 4 looms.

Embroidery and the making of laces and fringes.

Manufacture of made up textile goods such as curtains, mosquito nets, mattresses, bedding material, pillow cases, bags, etc.

Ready-made garments and Apparel making (dry processing).

Cotton and woolen hosiery (dry processing).

Handloom weaving.

Manufacture of leather foot wear and leather products (excluding tanning and hide processing).  
 Shoe lace manufacturing.  
 Manufacture of mirrors and photoframes.  
 Manufacture of musical instruments.  
 Manufacture of sports goods.  
 Manufacture of bamboo and cane products (dry operations only).  
 Manufacture of cardboard and paper products (Paper and pulp manufacture excluded).  
 Insulation and other coated papers (Paper and pulp manufacture excluded).  
 Manufacture of scientific and mathematical instruments.  
 Manufacture of furniture (wood only).  
 Assembly of domestic electrical and electronic appliances.  
 Manufacture of writing instruments (pens, pencils, etc.).  
 Extrusion moulding of polythene, plastic and PVC goods.  
 Manufacture of surgical gauzes and bandages.  
 Manufacture of concrete railway sleepers.  
 Cotton spinning and weaving (dry processes only).  
 Manufacture of ropes (cotton, jute, plastic).  
 Carpet weaving.  
 Manufacture of wires and pipes (non-asbestos).  
 Extrusion of metal.  
 Assembly of electric and electronic equipment.  
 Coir industries.  
 Toys.  
 Wax candles and agarbatis.  
 Oil-ginning and expelling (no hydrogenation and no refining).  
 Manufacture of ice-cream.  
 Manufacture of mineral water.  
 Manufacture of trunks and suitcases.  
 Manufacture of stationery items (except paper and inks).  
 Manufacture of optical frames.

2. The inclusion of industries in this list is for convenience and if in a given case they do not fall in the above category they will be treated as in the Orange or Red Categories.

#### ORANGE CATEGORY

List of Industries that can be permitted in Dahanu Taluka with proper Environmental Assessment and adequate Pollution Control Measures in sites that have been approved by the Ministry of Environment & Forests, Government of India.

Ceramics.

Sanitaryware.  
 Flour mills.  
 Vegetable oils including solvent extracted oils  
 Soap (without steam boiling process).  
 Formulation of synthetic detergents (non-phosphatic).  
 Steam generating plants (without coal/coke).  
 Manufacture of office and household furniture and appliances.  
 Manufacture of machinery and machine tools and equipment.  
 Manufacture of industrial gases (only Nitrogen, Oxygen and CO<sub>2</sub>).  
 Glassware using fuel other than coal/coke.  
 Optical Glass.  
 Laboratoryware.  
 Surgical and medical products excluding prophylactics and latex products.  
 Rubber Foot wear.  
 Bakery products, biscuits and confectionery.  
 Instant tea/coffee.  
 Malt foods.  
 Manufacture of pumps, compressors, refrigeration units, fire fighting equipment, etc.  
 Wire drawing (cold process), Wire Nails, Baling straps.  
 Steel furniture.  
 Medical and surgical instruments.  
 Fragrances, flavours and food additives.  
 Organic plant nutrients.  
 Aerated waters/soft drinks.

Industries falling within the above category with an outlay not exceeding Rs. 3 crores will have to be referred to the Ministry of Environment & Forests, Government of India for consideration.

#### RED CATEGORY

List of Industries that cannot be permitted in Dahanu Taluka.

The illustrative list of industries that fall within this category include :—

Metallurgical industries including foundries and alloy making processes.  
 Coal and other mineral processing industries.  
 Cement Plants.  
 Industries based on the use of coal/coke.  
 Refineries.  
 Petrochemical industries.  
 synthetic Rubber Manufacture.  
 Thermal and nuclear power plants.  
 Manufacture of vanaspathi, hydrogenated vegetable oils for industrial purposes.

Sugar Mills.  
 Manufacture of paper and pulp (including news-print).  
 Manufacture of by-products of coke ovens and coal tar distillation products.  
 Alkalis and acids.  
 Electro-thermal products (such as artificial abrasives, calcium carbide, etc.)  
 Phosphorus and its compounds.  
 Nitrogen compounds.  
 Explosives.  
 Fire-crackers.  
 Phthalic anhydride.  
 Processes involving chlorinated hydrocarbons.  
 Chlorine, fluorine, bromine, iodine and their compounds.  
 Chemical fertilizers.  
 Synthetic fibres and rayon.  
 Manufacture and formulation of synthetic pesticides|insecticides|bactericides|fungicides etc.  
 Basic drugs.  
 Alcohol.  
 Tanning and processing of animal skins, hides, leather, etc.

Making of coke, Liquefaction of coal.  
 Manufacture of fuel gas.  
 Fibre glass production or processing.  
 Dyes and their intermediates.  
 Industrial carbon and carbon products.  
 Electro-chemicals and their products.  
 Paint, enamels and varnishes.  
 Poly vinyl chloride.  
 Polypropylene.  
 Chlorates, perchlorates and peroxides.  
 Polishes.  
 Synthetic resins.  
 Plastics.  
 Asbestos.

Note :—In case of industries which do not fall in any of the above mentioned three categories, decision in regard to their classification will be taken by the State Government for those projects having an outlay not exceeding Rs. 3 crores and for others reference is to be made to the Ministry of Environment & Forests, Government of India.

